Finish 196.5 x 260 mm

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• सितम्बर २०१८ • वर्ष ६९ • अंक ०९

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

१५ अगस्त २०१८ : सम्मेलन के केन्द्रीय प्रशासनिक कार्यालय के भवन (डकबैक हाउस, कोलकाता) के समक्ष झंडोत्तोलन।

इस अंक में :

- अध्यक्षीय - स्वस्थ समाज के लिए अनिवार्य : शिक्षा, स्वास्थ्य एवं न्याय।
- सम्पादकीय - हमारा भोजन एवं जीवन का उत्कर्ष।
- आलेख - संस्कारों से बँधा और बचा है मारवाड़ी समाज।
- आलेख : मारवाड़ी समाज में व्याप्त त्रुटियाँ एवं सुधार।
- केन्द्रीय / प्रांतीय कार्यक्रमों पर रपट

१८ अगस्त २०१८ - राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, उपाध्यक्षगण श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं श्री विजय किशोरपुरिया, महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला, संयुक्त महामंत्री श्री संजय हरलालका, संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री अशोक कुमार जालान, तेलांगाना सम्मेलन के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार बंग एवं अन्य।

LINC
Think it. Linc it.
pentonic
born of black
pentonic™
Write the future
Begin a statement that moves the nation.
Gift tomorrow's generation a new set of words to remember.
Start an idea that inspires and challenges the future.
Emerge with the boldness of black.
₹10 per U

समाज विकास

◆ सितम्बर २०१८ ◆ वर्ष ६९ ◆ अंक ०९
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **चिट्ठी आई है**	३
● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** हमारा भोजन एवं जीवन का उत्कर्ष	५
● **अध्यक्षीय : सन्तोष सराफ** स्वस्थ समाज	७
● **केन्द्रीय/प्रान्तीय समाचार**	८-२०
● **कन्हैयालाल सेठिया जयन्ती पर विशेष**	२१-२२
● **आलेख : संजय हरलालका** संस्कारों से बँधा और बचा है मारवाड़ी समाज	२५-२६
● **विचारणीय विषय : डॉ. जे. के. सर्राफ**	२६
● **आलेख : बाबुलाल अग्रवाल** मारवाड़ी समाज में व्याप्त त्रुटियाँ एवं सुधार	२७
● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	२९-३०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, **कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ संपादक : संतोष सराफ
◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा
◆ कार्यवाहक सम्पादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

मद्य-पान को अपना स्टेटस सिंबल न बनाये

शादी-विवाह व अन्य मांगलिक समारोहों में मद्य-पान के गलत प्रचलन का विरोध हो रहा है और होना भी चाहिए क्योंकि यह इंग्लैंड या अमेरिका नहीं – यह हमारा भारत है। जब किसी से यह कहा जाता है कि शराब पीना बुरी बात है तो सुनने वाले उस कहने वाले की खिल्ली उड़ाने लगते हैं। समाज के कुछ प्रतिष्ठित लोगों के बीच शराब पीना-पिलाना एक फैशन, स्टेटस सिंबल बनता जा रहा है। एक वर्ग हमारे देश में यह मानने को भी तैयार नहीं है कि शराब पीने-पिलाने में कोई बुराई है। चलिए कुछ क्षण के लिए उनकी यह बात मान लेते हैं कि मद्य-पान में कोई बुराई नहीं है, लेकिन इतनी अक्ल रखनी चाहिए कि खाने-पीने की हर वस्तु का उपयोग देश-काल, परिस्थितियों के अनुसार परिणाम देता है। अधिकतर संगीन अपराध शराब पीने के बाद ही होते हैं। अन्य देशों में शराब पीना एक आम बात हो सकती है, लेकिन अपने देश में तो शराब पीने के बाद अपराध की प्रवृति और ज्यादा अंगड़ाई लेती है। यदि इसका नशा एक बार चढ़ जाए तो फिर किसी अन्य नशे की जरुरत ही नहीं होती। शराब की गंदी आदत से कई राजे-रजवाड़े बरबाद हो गये हैं।

अतः मद्य-पान के खिलाफ कार्य करने वाले जागरूक सामानिक कार्यकर्त्ताओं की खिल्ली न उठायें। शराब को अपनी बढ़ती प्रतिष्ठा से न जोड़ें। शराब पीने-पिलाने के फैशन को अपना स्टेटस सिंबल न बनाने में ही सभी की भलाई है।

– जय किशन झँवर
कोलकाता

एन.आर.सी. से आशंका

मैं इस पत्र द्वारा मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री संतोष सराफ जी का ध्यान वर्तमान में असम में एन.आर.सी. को लेकर जो भय का वातावरण फैला हुआ है उसकी ओर दिलाना चाहता हूँ। अपने राजस्थानी नागरिकों को नाम से वंचित न रखा जाए इसके लिए असम सरकार एवं केन्द्र सरकार से उपयुक्त सम्पर्क बनाए रखें।

मैंने इस सन्दर्भ में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष को भी पत्र द्वारा मेरी आशंका व्यक्त की और आशा है कि वह इस ओर विशेष ध्यान देंगे।

मैं अपनी ओर से तथा शिलांग के मारवाड़ी समाज की ओर से श्री संतोषजी सराफ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का अध्यक्ष निर्वाचित होने हार्दिक बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि आपके नेतृत्व में सम्मेलन और ऊँचाइयों का छूयेगा।

– शंकरलाल सिंघानिया
शिलांग

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically" — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%   Quality Education at most affordable fees

Hospitality

Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

Assistance for placement

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

सम्पादकीय

हमारा भोजन एवं जीवन का उत्कर्ष

– शिव कुमार लोहिया

हमारे समाज की अन्य विशेषताओं में हमारे खान-पान की विशुद्धता मुख्य रही है। दुःख की बात है कि हम इस विशेषता को छोड़ते जा रहे हैं। आज की युवा पीढ़ी खान-पान के महत्व से बिल्कुल अनभिज्ञ है। उनके लिए खान-पान जीभ की संतुष्टि भर है। हमारे खान-पान का हमारी सोच, आचार, विचार, व्यवहार पर असर पड़ता है। अगर यों कहें कि हमारे खान-पान से ही हमारा जीवन होता है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। चार इंच के जीभ की संतुष्टि के लिए हम हमारे अमूल्य जीवन को दांव पर लगाने में नहीं हिचकिचाते। आज स्वास्थ्य पर स्वाद भारी पड़ रहा है। जंक भोजन, पैकेट में भरा हुआ चटपटा, तामसी भोजन, कुंठित, आपराधिक एवं भ्रष्ट आचरणों से अर्जित अन्न का प्रचलन आज सर्वत्र है। घर की दाल-सब्जी एवं रोटी का तो आज घर निकाला होता जा रहा है। इस विषय में हमें सोचने की आवश्यकता है।

आहार (भोजन) का उद्देश्य आयु को बढ़ाना, मस्तिष्क को शुद्ध करना एवं शरीर को शक्ति पहुँचाना है। छान्दोग्योपनिषद (अध्यक्ष ६ खण्ड ५) में कहा गया है – **खाया हुआ अन्न तीन प्रकार का हो जाता है। उसका जो स्थूल भाग है, वह मल बनता है, जो मध्यम भाग है वह माँस बनता है और जो सूक्ष्म भाग है सो मन बन जाता है। पीया हुया जल तीन प्रकार का हो जाता है। उसका जो स्थूल भाग है, वह मूत्र बन जाता है, जो मध्यम भाग है वह रक्त बन जाता है, जो सूक्ष्म भाग है वह प्राण बन जाता है। है सौम्य! मन अन्नमय! प्राण जलमय! वाक् तेजोमय है।** तैत्तरीय उपनिषद में कहा गया है – **इस पृथ्वी पर रहने वाले सभी प्राणी अन्न से ही उत्पन्न होते हैं। फिर अन्न से ही जीते हैं। इस अन्न रसमय शरीर के भीतर जो प्राणमय पुरुष है वह अन्न से व्याप्त है। यह प्राणमय पुरुष ही आत्मा है।**

हमारे मनीषियों ने कहा है – **दुर्लभं मानुषं जन्मं**। इस दुर्लभ मनुष्य का जन्म पाकर आदर्शों के लिये जीकर इसे महान बनाना हमारा उतरदायित्व है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये खान-पान नियंत्रित रखना परमावश्यक है। गीता (१७/१०) में कहा गया है – खाने के तीन घंटे पूर्व पकाया गया, स्वादहीन, नियोजित एवं सड़ा, जूठा तथा अस्पृश्य वस्तुओं से पूर्ण भोजन उन लोगों को प्रिय है, जो तामसी हैं। भगवान सनत कुमार ने नारद को उपदेश दिया था – **जब आहार शुद्ध होता है, तब अंतःकरण शुद्ध होता है। अंतःकरण शुद्ध होने पर विवेक वुद्धि ठीक काम करती है। उस विवेक से अज्ञान-जन्य ग्रंथियाँ खुलती हैं**। अथर्ववेद में भी अनुपयुक्त अन्न को त्याज्य ठहराया गया है।

हमारे समाज में चिरकाल से ही सात्विक भोजन की परंपरा रही है। आज यह परम्परा छिन्न-भिन्न हो रही है। तामसी भोजन, माँस मदिरा का सेवन अब आम होता जा रहा है। इसका फल विनाशकारी है। आदमी का मानव बनना शरीर से सूक्ष्म बनना है। पर इस सूक्ष्मता को त्यागकर हम स्थूल बनते जा रहे हैं। हम स्वयं पर नियंत्रण खोते जा रहे हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण बात यह है कि झूठ-कपट, चोरी-डकैती, धोखेबाजी आदि किसी तरह से भी कमाये गये पैसों से बने भोजन तामसी होते हैं। यहाँ तक कि भोजन बनाते समय जो विचार पाकशास्त्री के मन मे उपजते हैं, वे भोजन में समाविष्ट हो जाते हैं। जो भोजन हम खाते हैं, वह हमारे शरीर का अंग बन जाता है। एक साधु ने एक गाँव में प्रवेश किया। शाम ढल गई थी। ग्राम सीमा पर पहले ही घर में आश्रय माँगा, अनुमति मिल गई। उसी घर में भोजन भी किया। रात में बरामदे में पड़ी खाट पर सोते हुए साधु की नजर घर के चौक में बंधें हृष्ट-पुष्ट घोड़े पर गई। साधु उसे निहारने लगा। साधु के मन में दुर्विचार आया – यदि यह घोड़ा मेरा हो जाय तो मुझे मेरी यात्रा में सुविधा होगी। आधी रात वह घोड़ा ले उड़ा। बीच में उतरकर वह पेड़ से घोड़ा बाँधकर सो गया। प्रातः उठकर उसके मन में आया – अरे! यह मैंने क्या किया। एक साधु होकर मैंने चोरी की। घोड़ा लौटाने के उद्देश्य से वह उल्टी दिशा में चल पड़ा। घर पहुँचकर गृहस्वामी से क्षमा माँगी और घोड़ा लौटा दिया। साधु के मन में एक विचार कौंधा, उसने गृहस्वामी से पूछा – आप क्या काम करते है, आपकी आजीविका क्या है? संकोच भाव से गृहस्वामी ने बताया कि वह चोर है एवं चोरी से अपना जीवनयापन करता है। साधु का समाधान हो गया। चोरी से उपार्जित अन्न पेट में जाते ही उसके मन में कुबुद्धि पैदा हो गई थी। प्रातः नित्यकर्म से उस अन्न के निकल जाने पर सदबुद्धि वापस लौटी।

स्पष्ट है, तामसी एवं अनियंत्रित भोजन करते हुए हम अपने जीवन को संतुलित नहीं कर सकते। असंतुलित जीवन विभिन्न प्रकार की अनीतियों, कुरीतियों को जन्म देगा। तामसी बुद्धि से हम हमारे जीवन का उत्कर्ष नहीं पा सकते। स्वस्थ समाज का आधार हमारा स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ मन है जो सात्विक भोजन के बिना संभव नहीं। **हमारी सफलता का मापदंड सम्पन्नता नहीं होना चाहिए, सही मापदंड है जीवन के उत्कर्ष को प्राप्त करना।** ★★★

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

विगत ८ वर्षों में देश के विभिन्न भागों के ८९ छात्र-छात्राओं को करीब १ करोड़ ७२ लाख रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

वर्तमान वित्तीय वर्ष (२०१८-१९) में अब तक करीब २७ लाख रुपयों का आवंटन

"Education is a fundamental human right and essential for excercise of all other rights."

पूर्व की भांति समाज के दाताओं का मिल रहा है तहेदिल से साथ, वर्तमान सत्र में श्री संदीप फोगला ने २५ लाख एवं श्री आनन्द कुमार अग्रवाल ने दिया ५ लाख का सहर्ष अनुदान

आप भी बढ़ाएं सहयोग का हाथ **समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार**

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

इंजीनियरिंग, टेक्निकल, सिविल सर्विसेज, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर/उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता : (क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय तीन लाख रुपयों से कम होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया : (क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रों, प्रवेश के प्रमाण, माता-पिता के आय प्रमाणपत्र एवं पासपोर्ट साइज चित्रों के साथ, मारवाड़ी सम्मेलन की किसी शाखा/सम्बद्ध संस्था से अनुमोदित आवेदन प्रस्तुत करने हैं।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपयों की राशि अनुदानस्वरूप दी जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं।

आवेदन करें : *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*

४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७, फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : aimf1935@gmail.com

अध्यक्षीय

स्वस्थ समाज के लिए अनिवार्य : शिक्षा, स्वास्थ्य एवं न्याय

– सन्तोष सराफ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के वाराणसी में राष्ट्रीय अधिवेशन के पश्चात नये सत्र में अबाध रूप से गतिविधियाँ जारी हैं। राष्ट्रीय कार्यकारिणी, स्थायी समिति एवं उपसमितियों का गठन हो चुका है। कार्यकारिणी एवं स्थायी समितियों की बैठकों मे उपस्थिति संतोषजनक थी। समयबद्ध तरीके से सार्थक चर्चा के मध्य इन बैठकों की कार्यवाही सम्पन्न हुई।

यह एक हर्ष का विषय है कि सम्मेलन के उच्च शिक्षा कार्यक्रम को समाज का उत्साहजनक सहयोग मिल रहा है। सम्मेलन के अनन्य सहयोगी **श्री संदीप फोगला** एवं **श्री आनंद कुमार अग्रवाल** ने अभी हाल में ही इस कार्यक्रम हेतु मुक्तहस्त अनुदान दिया है और भविष्य में भी यथासम्भव सहयोग का आश्वासन दिया है, आभार!

ज्ञातव्य है कि सभी प्रांत उच्चतर माध्यमिक स्तर तक के छात्रों को अपने-अपने स्तर पर सहयोग देते आ रहे हैं। सम्मेलन के ट्रस्ट मारवाड़ी सम्मेलन फाउंडेशन द्वारा उच्च शिक्षा के लिये विगत कुछ वर्षों से कार्यक्रम चलाया जा रहा है। वर्तमान में इस कार्यक्रम के अंतर्गत लाभ पाने वाले शिक्षार्थियों की संख्या ८९ हो गई है। इस वर्ष २६.६६ लाख रुपये की अनुदान राशि आवंटित की गई है। उसी प्रकार रोजगार के सहायता योजना के अन्तर्गत ५० से अधिक व्यक्तियों को रोजगार मुहैया कराया जा चुका है। मैं सभी प्रांतीय अधिकारियों से अनुरोध करूँगा कि इन कार्यक्रमों का अधिक से अधिक लाभ समाजबंधुओं तक पहुँचाने में सहयोग करें।

कहा जाता है कि प्राचीन काल में हमारे देश में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक न्याय नागरिकों ने निशुल्क प्राप्त था। आज भी कुछ देशों में स्वास्थ्य एवं शिक्षा वहाँ के सरकार की जिम्मेदारी है।

हमारे समाज में समाजसेवा, धर्म, प्रवचन, कथावाचन के नाम पर आयोजित कार्यक्रमों में अनाप-शनाप खर्च होते रहते हैं। समाज के सभी वर्गो को स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में एकजुट होकर काम करने की आवश्यकता है। सामाजिक न्याय की दिशा में सम्मेलन ने पिछले सत्र में पहल की है। समाज के गणमान्य व्यक्तियों के लेकर एक महापंचायत का गठन हो चुका है। इस कार्यक्रम के तहत समाजबंधु आपसी मतभेद का मामला महापंचायत द्वारा निपटारा करवाने के लिये आवेदन कर सकते हैं।

मैं सभी प्रांतीय अध्यक्षों से अनुरोध करूँगा कि प्रत्येक प्रांत में सम्मेलन के संविधान के प्रावधान के अनुसार पंचायत का गठन करें। आज के सामाजिक परिवेश में आपसी रिश्तों मे सामंजस्य रखना नितांत आवश्यक हैं।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में हम पाते हैं कि यह क्षेत्र सेवा की जगह पूरी तरह व्यवसाय बन चुका है। देश का आम आदमी स्वास्थ्य के नाम पर जितना भ्रमित एवं परेशान है, शायद ही किसी अन्य क्षेत्र में होगा। इस क्षेत्र में जिस प्रकार की घटनाएँ सामने आती हैं, जानकर संदेह होने लगता है कि मानवता नाम की कोई चीज बची हुई है या नहीं। छोटे-छोटे बीमारियों के इलाज में अब लाखों का खर्च आम बात हो गई है। सम्मेलन इन परिस्थितियों से सजग है। विगत कुछ महीनों से इस विषय पर चर्चा हो रही है। व्यक्तिगत रूप मेरी भी इच्छा है कि उच्च शिक्षा की तरह स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सम्मेलन का पदक्षेप हो। प्रांतीय अध्यक्षों, समाजबंधुओं से मैं अनुरोध करूँगा कि इस विषय में अपने सुझावों से मुझे अवगत करायें। ★★★

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखाओं एवं सदस्यों से पुरस्कारों हेतु मनोनयन का अनुरोध

रामनिवास आशारानी लाखोटिया
राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं दिल्ली की समाजसेवी संस्था रामनिवास आशारानी लाखोटिया ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में राजस्थानी मूल के एक व्यक्ति को समाज के प्रति विशिष्ट योगदान हेतु सम्मानित करने के लिए इस सम्मान की स्थापन की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के ८४वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१८, के अवसर पर प्रदान किया जाएगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं १,००,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

सीताराम रुँगटा
राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व उपाध्यक्ष एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष स्व. सीताराम रुँगटा की स्मृति में राजस्थानी भाषा की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु राजस्थानी साहित्यकारों को देने के लिए इस सम्मान की स्थापना की गई है। यह सम्मान सम्मेलन के ८४वें स्थापना, २५ दिसम्बर २०१८, के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया
राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान

सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी स्व. केदारनाथ कानोड़िया एवं उनकी धर्मपत्नी स्व. भागीरथी देवी कानोड़िया की स्मृति में राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु इस सम्मान की स्थापना की गयी है। यह सम्मान सम्मेलन के ८४वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१८, के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं २१,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

भंवरमल सिंघी
समाज-सेवा सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी स्व. भंवरमल सिंघी की स्मृति में गठित भंवरमल सिंघी समाज सेवा न्यास द्वारा स्थापित, समाज सुधार के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए एक व्यक्ति/संस्था को दिया जाने वाला 'भंवरमल सिंघी समाज सेवा सम्मान' सम्मेलन के ८४वें स्थापना दिवस, २५ दिसम्बर २०१८, के अवसर पर प्रदान किया जायेगा। इसके अन्तर्गत मानपत्र एवं ११,००० रुपये की सम्मान-राशि के अतिरिक्त समारोह स्थल तक पधारने एवं लौटने हेतु मार्गव्यय एवं निवास आदि की व्यवस्था भी दी जाती है।

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखा सभाओं एवं सदस्यों से उक्त सम्मानों हेतु उपयुक्त व्यक्ति/संस्था का नाम प्रस्तावित कर केन्द्रीय कार्यालय [४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७; दूरभाष : (०३३) ४००४ ४०८९; ईमेलः aimf1935@gmail.com] को १५ अक्तूबर २०१८ तक भेजने का सादर अनुरोध है।

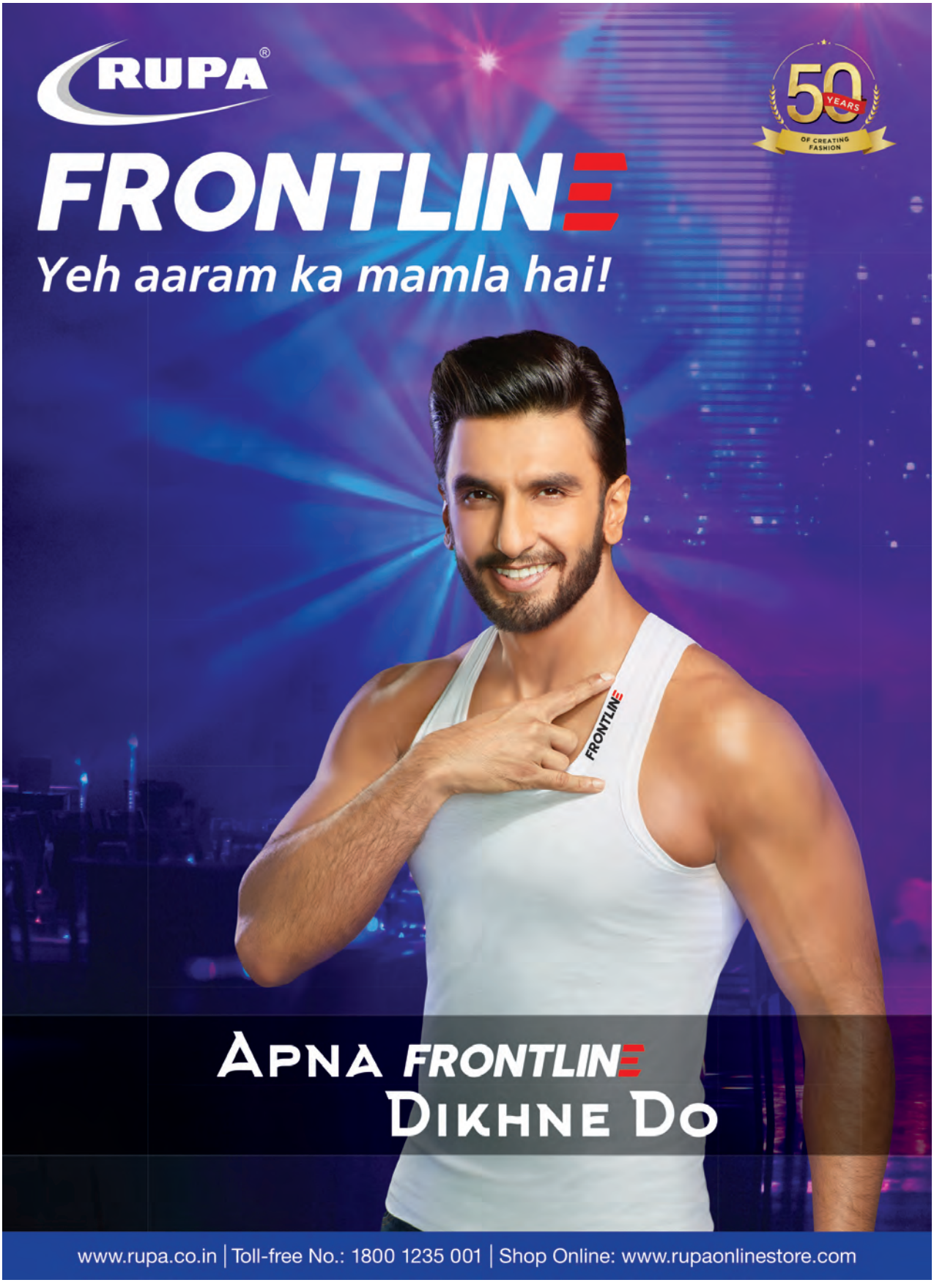

RUPA
50 YEARS OF CREATING FASHION
FRONTLINE
Yeh aaram ka mamla hai!
FRONTLINE
APNA FRONTLINE
DIKHNE DO
www.rupa.co.in | Toll-free No.: 1800 1235 001 | Shop Online: www.rupaonlinestore.com

With Best Compliments From:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head Office : 3, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700 069

Phone : 2210-3480, 2210-3485

Fax : 2231-9221

E-mail: roadcargo@vsnl.net

Branches & Associates:

GUWAHATI, SILIGURI, DURGAPUR, HALDIA, KHARAGPUR,

BALASORE, BHUBNESWAR, CUTTUCK, ICCAPURAM, VISHAKAPATNAM,

VIJAYWADA, HYDERABAD, CHENNAI, BANGALORE, COCHIN, GAZIABAD (U.P. BORDER), INDORE

सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक

सम्मेलन की पहुँच देश के हर जिले तक हो : सन्तोष सराफ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक १८ अगस्त २०१८ को सम्मेलन कार्यालय सभागार (डकवैक हाउस, कोलकाता) में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** के सभापतित्व में आयोजित की गयी।

बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने सर्वप्रथम सभी, विशेषकर कोलकाता के बाहर से पधारे, सदस्यों का स्वागत किया। गत १६ अगस्त २०१८ को देश के पूर्व प्रधानमंत्री **भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी** के निधन के विषय में चर्चा करते हुए श्री सराफ ने उन्हें एक प्रखर वक्ता, मूर्धन्य कवि, अदभुत विराट व्यक्तित्व एवं बहुमुखी प्रतिभा का स्वामी और उनके निधन को राष्ट्र के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया। स्व. बाजपेयी को श्रद्धांजलिस्वरूप एक मिनट का मौन रखा गया और इसके बाद बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ हुई।

अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में श्री संतोष सराफ ने सम्मेलन की वर्तमान गतिविधियों पर संक्षेप में चर्चा की एवं वर्तमान सत्र हेतु अपनी प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश में करीब ७०० जिले हैं और प्रत्येक जिले में सम्मेलन की शाखाएँ हों, सम्मेलन का भवन/कार्यालय हो, यह हमारा लक्ष्य होगा चाहिए। श्री सराफ ने कहा कि वर्तमान सत्र में कम से कम ३०० जिलों से सम्पर्क-सूत्र स्थापित करना हमारी प्राथमिकताओं में है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (५ मई २०१८; कोलकाता) का कार्यवृत प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। श्री झुनझुनवाला ने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन की गतिविधियों पर 'महामंत्री की रपट' भी प्रस्तुत की।

कार्यसूची के अनुसार, राष्ट्रीय स्थायी समिति के गठन के विषय में विचार-विमर्श हुआ और इसके गठन का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ को दिया गया।

कार्यसूची के अनुसार, सम्मेलन के **राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी** ने वित्तीय वर्ष २०१७-१८ के आय-व्यय का लेखा-जोखा एवं संतुलन पत्र समिति के स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया। श्री तोदी ने बताया कि वित्तीय वर्ष २०१७-१८ के दौरान आवक से ज्यादा व्यय हुआ है जिसकी भरपाई के लिए तत्कालीन सत्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने १५ लाख रुपये अनुदान के रूप में दिए हैं। बैठक ने श्री अगरवाला का धन्यवाद करते हुए, सर्वसम्मति से वित्तीय वर्ष २०१७-१८ के आय-व्यय का लेखा-जोखा एवं संतुलन पत्र को पारित किया।

बैठक में सम्मेलन के पूरे राष्ट्र के आजीवन सदस्यों को पहचान पत्र देने के विषय में विस्तुत चर्चा हुई और निर्णय लिया गया कि इस कार्य के लिए वित्त की व्यवस्था अनुदान लेकर की जाये।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने बताया कि वर्तमान सत्र हेतु उपसमितियों के गठन के प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। उन्होंने कुछ उपसमितियों की संरचना के विषय में भी बताया। चर्चा में

भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी को मौन श्रद्धांजलि।

भाग लेते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि जहाँ उपयुक्त हो, उपसमितियों में प्रांतों के सक्रिय सदस्यों को भी सम्मिलित करने का यथासम्भव प्रयत्न करना चाहिए।

कार्यसूची के अनुसार सम्मेलन के संगठन-विस्तार और कुछ मुख्य कार्यक्रमों यथा उच्च शिक्षा सहयोग, रोजगार सहायता, वैवाहिक परिचय एवं समाज सुधार सम्बंधी कार्यक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि सम्मेलन के कार्यक्रमों की सफलता के लिए आवश्यक है कि समाज के हर तबके, युवक-युवतियों एवं महिलाओं को अपने कार्यक्रमों के साथ जोड़ा जाये। उन्होंने सभी प्रादेशिक पदाधिकारियों से संगठन-विस्तार को गति देने हेतु हर सम्भव प्रयत्न का अनुरोध किया।

उच्च शिक्षा सहयोग पर चर्चा के क्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने बताया कि सम्मेलन के उच्च शिक्षा कोष के लिए उद्योगपति-समाजसेवी **श्री आनन्द कुमार अग्रवाल** ने ५ लाख रुपये अनुदानस्वरूप दिए हैं और प्रतिवर्ष देने का आश्वासन दिया है। उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि से श्री अग्रवाल का धन्यवाद जताया।

सम्मेलन की रोजगार सहायता उपसमिति के विषय में बताते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि गत सत्र में इस उपसमिति ने अत्यंत सक्रियता से कार्य किया और बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त किए। उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि से उपसमिति के चेयरमैन **श्री दिनेश कुमार जैन** का साधुवाद किया।

वैवाहिक परिचय उपसमिति एवं स्वास्थ्य-चिकित्सा सहायता उपसमिति के विषय में भी चर्चा हुई। चर्चा में भाग लेते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि वैवाहिक परिचय उपसमिति का कार्य वर्तमान में परिचय तक ही सीमित था। उन्होंने कहा कि इसे और विस्तार देने की आवश्यकता है और इसके लिए प्रान्तीय शाखाओं से भी प्रस्ताव का उन्होंने अनुरोध किया। स्वास्थ्य-चिकित्सा सहायता उपसमिति के विषय में चर्चा के क्रम में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा एवं उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री अशोक कुमार जालान** ने इसके लिए संसाधन, कोष की स्थापना एवं कार्यपद्धति के विषय में अपने विचार व्यक्त किए।

समाज सुधार के विषयों पर चर्चा करते हुए पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि २००६ में केन्द्रीय एवं प्रादेशिक पदाधिकारियों के एक चिन्तन शिविर में वैवाहिक आचार संहिता पारित की गई थी किन्तु बदलते समय के साथ इसमें परिवर्तन की आवश्यकता है। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि पूरे राष्ट्र स्तर पर विचार-विमर्श कर नयी वैवाहिक आचार संहिता तय की जाये।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री अशोक कुमार जालान ने उत्कल सम्मेलन की गतिविधियों के विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्र में उत्कल सम्मेलन संगठन की मजबूती पर बल दे रहा है, अच्छी संख्या में नये सदस्य बनाये गए हैं। उन्होंने सम्मेलन की गतिविधियों को आकर्षक बनाने एवं सेवाकार्यों से सम्बंधित प्रकल्पों की स्थापना को आवश्यक बताया और कहा कि ऐसा करने से लोग सम्मेलन से जुड़ेंगे। श्री जालान ने कहा कि उत्कल सम्मेलन अपने हर कार्यक्रम में महिला सम्मेलन एवं युवा मंच को साथ लेता है। उन्होंने बलांगीर में मारवाड़ी सेवा भवन के निर्माण के विषय में बताया और इसके उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष से अनुरोध किया।

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति के गठन की प्रक्रिया प्रारम्भ होने की जानकारी दी। उन्होंने एस.आर. रुँगटा ग्रुप के सौजन्य से वितरित हो रही राजस्थानी व्याकरण पुस्तक के विषय में भी बताया।

अन्त में, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया और बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सम्मेलन के समाज सुधार उपसमिति के चेयरमैन **डॉ. जुगल किशोर सर्राफ**, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया**, विधिक एवं राजनैतिक चेतना उपसमितियों के चेयरमैन **श्री नंदलाल सिंघानिया**, संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल**, तेलंगाना सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री रमेश कुमार बंग**, पश्चिम बंग सम्मेलन के महामंत्री **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, सर्वश्री शिव कुमार लोहिया, आनन्द कुमार अग्रवाल, दिनेश कुमार जैन, गौरी शंकर अग्रवाल, जुगल किशोर जाजोदिया, प्रेमचंद सुरेलिया, राज कुमार केडिया, गणेश कुमार खेमका, पवन कुमार जालान, सुबीर पोद्दार, अमित सरावगी, नारायण प्रसाद डालमिया, भानीराम सुरेका, सम्पतमल बच्छावत, रमेश कुमार बूबना, शरत झुनझुनवाला, केदार नाथ गुप्ता** आदि उपस्थित थे।

गजल

धर्म कहता है सभी से प्यार हो
गुलिस्तों में फूल हो या खार हो

तुम बहुत मजबूर हो, लाचार हो
मेरे जीवन का मगर आधार हो

थक के बैठे हों तो मंजिल क्या मिले
अपने रस्ते की तुम्हीं दीवार हो

जिन्दगी है सिर्फ संघर्षों का नाम
और संघर्षो से तुम बेजार हो

डर लगा रहता है लहरों का तुम्हें
कैसे कह दूँ तुम मेरी पतवार हो

दर्द की जब दर्द ही ठहरे दवा
"रचश्री" क्या दर्द का उपचार हो

– रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
लखनऊ

देश की एकता-अखंडता एवं प्रगति सर्वोपरि : संतोष सराफ

"भारतवर्ष अनेकता में एकता का देश है किन्तु वर्तमान समय में ऐसा महसूस किया जा रहा है कि विभाजक शक्तियाँ सर उठा रही हैं। ऐसे में हम सभी का कर्त्तव्य है कि राष्ट्र की एकता-अखंडता को अक्षुण्ण रखने और इसकी प्रगति के विषय में सचेत रहें क्योंकि यही सर्वोपरि लक्ष्य है।" ये उद्‌गार अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने राष्ट्र के ७२वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित बैठक में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमारे अग्रसोची पूर्वजों ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के स्थापना के समय ही इसका ध्येयवाक्य रखा – 'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति'। राष्ट्र के स्वतंत्रता-संग्राम में तन-धन-मन से और स्वातंत्र्योत्तर भारत में उद्योग-व्यापार स्थापित करने एवं देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में मारवाड़ी समाज का अग्रणी स्थान है। हमें भारत को इसके पुराने गरिमापूर्ण स्थान तक पहुँचाने, पुनः विश्वगुरु बनाने के लिए अपने प्रयास जारी रखने हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अन्तर्गत सर्वप्रथम सम्मेलन के प्रशासनिक कार्यालय (डकबैक हाउस, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता) के समक्ष उपस्थित पदाधिकारियों-सदस्यों के साथ मिलकर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने राष्ट्रीय ध्वजोत्तोलन किया और राष्ट्रगान गाया गया। बाद में कार्यालय के सभागार में एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि देश सर्वोपरि है। देश और समाज में कोई अंतर नहीं, इसीलिए पूर्वजों ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। मारवाड़ी समाज ने कभी आरक्षण की माँग नहीं की, विभाजन की, तोड़-फोड़ की बात नहीं की। उन्होंने कहा कि देश आज कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा है। हमारी संस्कृति हजारों साल पुरानी है, फिर भी हम विभिन्न भागों में बँटे हुए हैं। **क्रिकेट मैचों के समय और बाहरी शक्तियों से निपटने में तो हम एक हो जाते हैं, किन्तु अंदरूनी विभाजक शक्तियों के आलोक में राष्ट्रीय एकता आज भी एक चुनौती है। इसके निवारण का दायित्व राजनैतिक नेतृत्व पर है परन्तु राजनैतिक लाभ के लिए विभिन्न दल देश की एकता के साथ खिलवाड़ करते हैं। हर्ष का विषय है कि आम जनता में एकता का भाव है, इसीलिए देश अब तक अखंड है।**

श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि आर्थिक क्षेत्र में देश ने बहुत प्रगति की है। आज हम विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। फिर भी, आबादी का बीस प्रतिशत गरीबी और बीमारी से जूझ रहा है, किसान आत्महत्या कर रहे हैं। पिछले दस वर्षों में अमीर और गरीब के बीच की खाई बहुत बढ़ी है, यह स्थिति खतरनाक है। आर्थिक असमानता भी असहिष्णुता का एक महत्वपूर्ण कारण है। श्री शर्मा ने कहा कि आर्थिक एवं राजनैतिक विषयों पर भी

(शेष पृष्ठ १४ पर)

बैठक में (पहली पंक्ति में, बायें से) सर्वश्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला, सन्तोष सराफ, सीताराम शर्मा (सम्बोधित करते हुए), विवेक गुप्त, गोपाल अग्रवाल, कैलाशपति तोदी एवं अन्य।

समाचार सार

रूपा एण्ड कम्पनी लिमिटेड को मिला भारत निर्माण अवार्ड

रूपा एण्ड कम्पनी लिमिटेड के चेयरमैन एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला को भारत निर्माण अवार्ड प्रदान करते भारत निर्माण अवार्ड के सिल्वर जुबली कमेटी के चेयरमैन श्री नवरतन झवर, सुख्यात पेन्टर श्री वसीम कपूर, भारत निर्माण अवार्ड के चेयरमैन श्री अशोक कलानौरिया; साथ में परिलक्षित हैं रूपा एण्ड कम्पनी लिमिटेड के श्री कुंज बिहारी अगरवाला (कला मंदिर सभागार, कोलकाता; २३ जून २०१८)।

स्वतंत्रता दिवस समारोह — पृष्ठ १३ का शेष

सम्मेलन द्वारा विचार और संवाद की जरूरत है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विवेक गुप्त** ने कहा कि आजादी को समझने के अपने-अपने परिप्रेक्ष्य हैं। **हमें आजाद देश की हवा में साँस लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है लेकिन इस आजादी के अधिकार के साथ कुछ कर्तव्य भी निहित हैं। हमें आजादी का मात्र आनन्द ही नहीं उठाना है बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्त्तव्यों का भी निर्वहन करना है, यही हमारे बलिदानी पूर्वजों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।**

पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंद किशोर अग्रवाल** ने अपने वक्तव्य में संगठन की मजबूती को अनिवार्य बताया। देश हो, समाज हो या सम्मेलन हो, आपस में मिल-जुलकर काम करने से अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सकते हैं और यही हमारा प्रयास होना चाहिए।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने कहा कि **यद्यपि हमें राजनैतिक आजादी प्राप्त हो गई है, सांस्कृतिक और आर्थिक क्षेत्र में अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है, 'इंडिया' को 'भारत' बनाना है।** इस लक्ष्य के साथ सम्मेलन एवं अन्य संस्थाएं प्रयासरत हैं, व्यक्तिगत रूप से भी लोग प्रयास करते हैं और करना चाहिए। हमें भारत को परम वैभवशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में कार्य करना है। हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपने संसाधनों का प्रयोग करें, नवीन युग की नयी तकनीकों का प्रयोग करें और राष्ट्र को शिखर तक पहुँचायें।

सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाल** ने कहा कि हमें राष्ट्र और समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों के प्रति सचेत रहना चाहिए और यथासम्भव उन्हें पूरा करना चाहिए। श्री अग्रवाल ने उपस्थित लोगों से सम्मेलन के संगठन की मजबूती में सहयोग करने का अनुरोध किया।

सम्मेलन की हवड़ा शाखा के सचिव **श्री किशन किल्ला** ने कहा कि अंग्रजों के विरुद्ध स्वतंत्रता के संग्राम के पूर्व भी मारवाड़ियों द्वारा राष्ट्र की गौरव-रक्षा में हर प्रकार के त्याग और बलिदान किए गए हैं, महाराणा प्रताप, भामाशाह आदि इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। श्री किल्ला ने कहा कि आज की परिस्थितियों में विभाजित समाज को एक करना अनिवार्य है और इसके लिए हरेक प्रयास करना चाहिए।

समारोह में सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका**, कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी**, निवर्तमान महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया**, पश्चिम बंग सम्मेलन के महामंत्री **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल**, सर्वश्री **पवन जालान, संदीप सेक्सरिया, प्रेमचंद सुरेलिया, रामनिवास शर्मा 'चोटिया', नरेन्द्र धानुका, संजय शर्मा, सुरेश अग्रवाल, प्रमोद गोयनका, राम कैलाश गोयनका, गोविन्द अग्रवाल, अजीत सहेवाल** आदि उपस्थित थे। ★★★

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

ISO 9001 Certified

ORR TECHNOLOGY

SKIPPER
PIPES

"FIXED FOR LIFE"

COMPLETE RANGE OF PIPES & FITTINGS

CPVC | UPVC | SWR | UGD | HDPE | BOREWELL | AGRICULTURE

www.skipperlimited.com | Toll Free : 1800 120 6842

A journey that started fifty four years ago is today a legacy called HARTEX. Setting standards in the domestic market, HARTEX has established itself internationally for its superior quality and reliability. In fact, the many milestones HARTEX has achieved, including products, are customer focused.

So, come join the journey of success.

HARTEX

Hartex Rubber Private Limited, 8-2-472, Road No. 1, Banjara Hills, GVC Square, 4th floor, Hyderabad 500034, India. Ph +91 40 32900866, 32930866

www.hartex.in

SUREKA

Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

Krishi Rasayan has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

Krishi Rasayan specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

Insecticides:

Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.

Fungicides:

Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc

Weedicides:

Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.

PGR's:

6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol

Bio-Products:

Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.

महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने की दिशा में
डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया का अभिनव प्रयास

महिलाओं को दिला रहे हैं सोलर चरखा प्रशिक्षण

कानोड़िया एवं श्रेई फाउंडेशन के चेयरमैन **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने महिलाओं को सशक्त एवं स्वावलम्बी बनाने की दिशा में अपने पैतृक ग्राम **बड़हिया (बिहार)** में एक अभिनव प्रयास किया है। इस प्रयास के तहत बड़हिया में स्थित श्री लक्ष्मी कुंज (कानोड़िया कुंज) में सोलर चरखा प्रशिक्षण केन्द्र खोला गया है। इस प्रशिक्षण केन्द्र में २५ सोलर चरखा एवं पांच सोलर लूम में धागा व कपड़ा धुनाई होती है। प्रशिक्षण केन्द्र में दो-दो घण्टे की शिफ्ट में २०० महिलाएँ प्रशिक्षित होकर स्वावलम्बी बनने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। इस प्रशिक्षण केन्द्र की सफलता का पैमाना यह है कि काफी संख्या में महिलाएँ प्रशिक्षण पाने के लिये आतुर हैं। जो महिलाएँ सिर्फ चूल्हे-चौके तक सीमित थीं, वे अब घर की देहरी को लाँघकर यहाँ प्रशिक्षण लेने पहुँच रही हैं। महिलाओं के प्रशिक्षण के प्रति बढ़ते उत्साह को देखते हुए डॉ. कानोड़िया ने और ज्यादा महिलाओं को प्रशिक्षित करने की दिशा में कदम उठाया है। उनकी जून २०१९ तक एक हजार महिलाओं को प्रशिक्षित करने की योजना है। इस सम्बन्ध में डॉ. कानोड़िया ने बताया कि **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा एवं भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गिरिराज सिंह के सहयोग से** इस प्रकल्प का शुभारम्भ किया गया है। उन्होंने बताया कि यहाँ प्रशिक्षित होने वाली महिलाओं को तीन माह के बाद प्रमाणपत्र देकर सोलर चरखे के लिए श्रेई से ऋण उपलब्ध करवाया जा रहा है ताकि वे अपने पैरों पर खड़ी होकर आत्मनिर्भर बन सकें। महिलाओं द्वारा इस चरखे से निर्मित धागे को केन्द्र सरकार को देने पर प्रतिदिन २००-२५० रुपये की आय प्रति महिला की हो जाती है। यह राशि सीधे उक्त महिला के बैंक खाते में जाती है। इसके साथ ही **उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य एक लाख महिलाओं को प्रशिक्षित करना है।**

डॉ. कानोड़िया के पितामह एवं पिता स्व. हनुमानदास केदारनाथ कानोड़िया की स्मृति में आरंभ किये गये इस प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन पर **केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह** के अलावा बिहार सरकार में श्रम संसाधन मंत्री **विजय कुमार सिन्हा**, बड़हिया नगर पालिका अध्यक्षा **मंजू देवी** सहित काफी संख्या में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों ने भी डॉ. कानोड़िया की इस पहल का स्वागत करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया।

गौरतलब है कि डॉ. कानोड़िया अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। सम्मेलन के प्रमुख उद्देश्यों में समरसता भी शामिल है जिसके तहत मारवाड़ी जहाँ भी रहते हों वहां के लोगों से मिलजुल रहने तथा वहाँ के उत्थान के बारे में कार्य करने पर बल दिया जाता है। इसके अलावा सम्मेलन का मुख्य ध्येय ही है "म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति"। श्रेई फाउण्डेशन के माध्यम से डॉ. कानोड़िया का यह प्रयास सम्मेलन के लक्ष्य को पूरा करता है। ★★★

सम्मेलन की बरगढ़ शाखा (उत्कल) की गतिविधियाँ

शपथ ग्रहण समारोह : मारवाड़ी सम्मेलन बरगढ़ शाखा की नई कार्यकारणी का शपथ ग्रहण समारोह गत २८ जुलाई २०१८ को स्थानीय मिलन मंडप में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि बरगढ़ विधायक देवेष आचार्या, मुख्य बक्ता निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, शपथ विधि अधिकारी मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष अशोक जालान, सम्मानीय अतिथि जगदीश गोलपुरिया, गायत्री लाठ ने उपस्थित रहकर सभा को संबंधित किया। प्रान्तीय अध्यक्ष अशोक जालान ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष किशोर अग्रवाल, व महामंत्री किशन लाल अग्रवाल को सत्र २०१८/२०२० के लिये शपथ दिलाई।

इसके उपरांत जगदीश गोलपुरिया ने नई कार्यकारिणी को शपथ पाठ करवाया। सभा का संचालन बजरंग गोलपुरिया ने किया। शाखा अध्यक्ष रतन अग्रवाल ने सभा को संबोधित कर गत २ वर्षों की जानकारी प्रदान की। सभा के अंत मे शाखा महामंत्री किशन लाल अग्रवाल ने धन्यवाद अर्पण किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विकास ट्रष्ट की और से २ बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए १ लाख २० हज़ार रुपये का चेक प्रदान किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह : बरगढ़ शाखा की ओर से श्री मारवाड़ी पंचायती धर्मशाला प्रांगण में देश के ७२वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया गया। शाखा के अध्यक्ष किशोर अग्रवाल ने पताका उत्तोलन किया। महासचिव किशन लाल अग्रवाल ने सभा को संबोधित किया एवम् प्रांतीय उपाध्यक्ष जगदीश गोलपुरिया ने सभी का स्वागत कर कार्यक्रम की प्रशंसा की। आयोजित कार्यक्रम में शहर के गणमान्य व्यक्ति व विभिन्न अनुष्ठानों के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के संयोजक रोशन गोयल थे।

राजस्थानी लोक गीत

चौक च्यानणी भादूड़ो...
दे दे माई लाडूड़ो...
आधो लाडू भावे कोनी...
सापतो पाँती आवे कोनी।
सुण सुण ऐ पवनीया की भाय
तेरो पवणयो पठवा जाय।
पढ़वा की पढ़ाई दे,
छोरां न मिटाई दे।
आलो ढूंढ, दिवालो ढूंढ,
बड़ी भू की पेई ढूंढ,
ढूंढ ढूँढा कर बारं आ,
जोशी जी क तिलक लगा,
जोशण जी न तिलिया दे,
छोरा न गुडधानी दे,
ऊपर ठंडो पाणी दे,
पाबाळी श्याणी,
ना पाबाळी कांणी।
बोल गजानंद महाराज की जय।

हास्य व्यंग

एक लुगाई छाछ मांगण आई
सासु खेत में गयेड़ी ही।
बहु नट गई बोली,
स्याणौ छाछ तो कोनी आज,
म्हे तो काल बालाजी की धौक दी ही।
बा लुगाई पाछी जावे ही, जणा गेला म सासु मिलगी
लुगाई बोली, मैं थारले घरां गयी ही छाछ क लिए...
पण तेरी बहू बोली छाछ तो कोनी!!
सासु बोलीः– चाल मेरे सागे।
घरां ल्याके सासू बी लुगाई न बोलीः–
छाछ तो कोनी भाण,
काल बालाजी न धौक दिनी ही!!
बा लुगाई बोली जद बहु नटगी
ही तो तू मन पाछी क्यूं ल्याई?
सासु बोली –
बहु कुण हुवे है नटनं आळी
मैं नटस्यूं!!!!!

(संकलन : श्री शिव कुमार लोहिया)

९९वीं जयन्ती पर विशेष

महामनीषी, स्वतंत्रता-सेनानी, प्रखर चिंतक, प्रबुद्ध दार्शनिक, राजस्थानी एवं हिन्दी भाषाओं के विश्वप्रसिद्ध महाकवि पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया जी की जयन्ती पर विनम्र श्रद्धांजलि के साथ, प्रस्तुत हैं उनकी कुछ प्रतिनिधि रचनायें – सम्पादक

क्यों राही पथ में आज खड़े?

क्यों राही पथ में आज खड़े?
क्या कोई आज समीप नहीं,
क्या कर में तेरे दीप नहीं,
हो निर्भय राह दिखायेंगे, हैं नभ में जितने नखत जड़े। क्यों राही....

कर साहस आगे बढ़ चल तू,
क्या सोच रहा है पलपल तू,
रे शूल सुमन बन जायेंगे, बस जहाँ तुम्हारे कदम पड़े। क्यों राही...

तुम इतने क्यों भयभीत हुए?
जो बन्द तुम्हारे गीत हुए?
रे तू न समझ निज को छोटा, तू मानन तेरे काम बड़े। क्यों राही...

जो न वह तूफान आता !

जो न वह तूफान आता !
किस तरह से नव घनों को,
पार कर शत योजनों को,
भूमि की ज्वाला बुझाने, धार जल की खींच लाता? जो न...

टूट अगणित तरु गए हैं,
किन्तु अंकुर जो नए हैं,
किस तरह से वे पनपते, कौन उनको सींच जाता? जो न...

जो न उर में आह होती,
अश्रु के अनमोल मोती,
किस तरह आँखें लुटातीं, किस तरह कवि गान गाता? जो न...

(वनफूल)

पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया
११ सितम्बर १९१९ - ११ नवम्बर २००८

शब्द

स्त्री पुरुष की तरह
शब्द भी एकान्त में नंगे होते हैं,
कुछ शब्द निहायत शरीफ
कुछ लुच्चे लफंगे होते हैं!

कुछ दुबले पतले
कुछ शब्द भले चंगे होते हैं,
कुछ बड़े सलीके वाले
कुछ बदमिजाज बेढंगे होते हैं!

आदमी की तरह
शब्द भी पूरे सामाजिक होते है
इनके भी परिवार हैं
बाल बच्चे हैं नाती पोते है!

शब्द भी बँधे हैं
आदमी की तरह रीति से, रिवाज से
इन्हें भी वास्ता रहता है
कल से, आज से, लिहाज से!

इनमें भी द्विज, शूद्र,
कुम्हार, खाती हैं,
किसी भी रचना में देखिये
एक शब्द दुलहा है
बाकी सब बराती हैं!

(खुली खिड़कियाँ चौड़े रास्ते)

मोटो डर !

रोहो में फिरै ल्याळी
आभै में गरणावै सिकरा
गेलां में रळकै वासक नाग
पण सै स्यूं मोटो डर भूख,
जको कोनी बैठण दै
लरड़ी नै बाड़ै में
कबूतर नै आळै में
पग नै घर में!

जलम भौम !

कोनी म्हारी
सींवां पर हिमाळो,
आंगणियै गंगा'र जमना
वनां में चन्नण'र देवदार
बाड्यां में काजू'र केवड़ा,

म्हारी सींवा पर है
जुझारां री देवळ्यां,
लोही स्यूं तिरपत आंगणियूं
केशरिया बानां पहर्यां रोहीड़ा
जौहर रा साखी फोग'र खेजड़ा!

(लीलटांस)

पिच्छम'र पूरब !

लड़ाई कुदरत स्यूं
सभ्यता पिच्छम री,
भेळप सभ्यता
पूरब री,
सूरज जठै निमळो
चाहीजै बां नै
आंख रो उजास,
जठै सबळो
बां नै आतमा रो परगास,
पिच्छम री जिनगानी
सासती भाजणै री एक होड,
पूरब री
थम'र सोचणै री एक मोड़,
अतै'क फरक स्यूं
पिच्छम में जलमै जुद्ध
पूरब में बुद्ध !

(लीलटांस)

दयो मायड़ नै मान!

नहीं सुवारथ कोई म्हारो
नहीं नांव री भूख,
बिन्यां मानता मरूभासा री
गंगा ज्यासी सूख,
वीर भूमि री, त्याग भूमि री
नहीं रवैली ओप,
बिन्यां मानता जन भासा नै
कीरत ज्यासी लोप,
आठ कोड़ मिनखां री पीड़ा
म्हारै हिव री पीड़
नहीं एकलो, म्हारै लारै
अणगिण जण री भीड़,
जे मैं एक पाड़ द्यूं हेलो
कोटा जैसलमेर,
जोधाणो मेवाड़ जागज्या
जैपर बीकानेर,
गांव गांव क्यूं कागद आवै
मनैं बुलावै लोग
नहीं रही पण जोत नैण में
काया नहीं निरोग,
थे समझो जिण नै चिणगारी
बण ज्यावली लाय
मती थथोपा द्यो थे म्हानै
करो बगतसर न्याय,
पंजाबी नै हरियाणो ली
दूजी भासा मान,
मती गमावो पाड़ोसी रै
आगै म्हांरी स्यान,
मत समझ्या थे अणभणियां है
राजस्थानी ठोठ,
बां नै ठा हिन्दी पोथ्यां में
नहीं बाजरी मोठ,
जका अठै रा लोक देवता
लोक-गीत तींवार,
बां सगळां रै साथ जुड्योड़ी
म्हांरी जीवण - धार,
ढोला मारू प्रेम कथावां
मूमल नैणां नीर,
नहीं दूसरी भासा में है
बां री अंतस पीड़,
बठै कठै सरकंडा खींपां
कठै मतीरा फोग
कठै केजड़ा रोहिड़ा बै
ज्यांरी छयां निरोग,
कैर, सांगरी, काकड़ियां री
मीठी घणी सुवास,
ऊंट, मोरिया, कुरज, कमेड्यां
करे अठै ही वास,
किंया हुवैलो टाबरियां नै
निज धरती रो ग्यान?
राखी चावो जड़ां जींवती
दयो मायड़ नै मान !

(हेमाणी)

करणी जाणींजै !

मिनख रो कांई
सळ्यो'र अळ्यो
बगत पिछाणींजै,

रूप रो कांई
रूड़ो'र कोजो
सत पितवाणींजै,

उमर रो कांई
लांबी'र ओछी
करणी जाणींजै!

(लीलटांस)

दुर्बल जिनके पंख

दुर्बल जिनके पंख, असम्भव–
उन्हें अछूता व्योम मिले!

नहीं कबूतर किन्तु गरुड़ ही
नव प्रतिमान बनाते हैं,
छोड़ पिटी पगडंडी कितने
जन उजाड़ से जाते हैं?
जूठन को सिद्धान्त मान कर
चलते केवल कठपुतले!

कायरता का अर्थ सुरक्षा
करते साहस हीन सदा,
काल भाल पर चढ़ने वाले
जग में आते यदा - कदा,
रखता है इतिहास हृदय में
क्षमताओं के पग उजले।

एक यही पौरुष का नारा
विजय मिले या मरण मिले,
लहरों को मझधार बुलाते
नहीं लुभाते तट उथले,
क्षर से अक्षर बनने वाले
होते कोई नर विरले!

(वनफूल)

आतम कथा !

सुरसत पूजी मैं नहीं
नह लिछमी स्यूं हेत,
मैं माथै ऊंच्यां फिरयो
जलम – भोम री रेत,
मिलसी रोटी दाल ज्यूं
मिलै धूप, जळ, पून
जको बणाई चूंच नै
बो ही देसी चून,
इण आतम विसवास स्यूं
डिग्यो नहीं खिण एक,
आई माया ठगण नै
धर कर रूप अनेक,
करी सबद री साधना
असबद म्हारो ईठ,
रूप, रंग, रस'गंध री
तिसणा छूटै नीठ,
बुझसी धूणी देह री
अबै हुवै परतीत,
पण आभै में गूंजता
रैसी म्हारा गीत!

(हेमाणी)

कवि से !

भर न सकेगी आग देश में
कवि केवल कविताई,
वाक-शूर, अब बनना होगा
तुम्हें चन्द बरदाई,
एक हाथ में कलम, अपर में
अब बन्दूक सँभालो,
आज शब्द की तरह गोलियाँ
तुम सीसे की ढालो,
ओ वाणी के पुत्र, कर्म का
बनना होगा होता,
अधर नहीं पर वक्ष खोलने-
का है तुम को न्यौता,
कब रुचता है रण चारण को?
यह कालिख धो डालो,
तुम उजालते काली स्याही
उजला दूध उजालो!

(आज हिमालय बोला)

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.

Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.

Over 72,000
entrepreneurs empowered.

Only 1 name
partnering with India's dream
towards a better future.

Kanoria
Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen
www.srei.com

Srei Infrastructure Finance Limited
Srei Equipment Finance Limited

INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®

CENTURYLAMINATES®

CENTURYVENEERS®

CENTURYPRELAM®

CENTURYMDF®

CENTURYDOORS™

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™
NEW AGE PANELS

SAINIK PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**

E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

संस्कारों से बँधा और बचा है मारवाड़ी समाज

– संजय हरलालका
राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

राजनीति हो या समाजनीति, हर जगह नैतिक मूल्यों का पतन और उसकी चर्चा आज आम बात हो गई है। जिस तरह राजनीति में छोटा-मोटा भ्रष्टाचार कोई मायने नहीं रखता, बल्कि कमोबेश उसको राजनीति का हिस्सा-सा मान लिया गया है, उसी तरह समाज में समयानुसार होने वाले परिवर्तन को नजरअंदाज किया जाने लगा है। हाँ, बात संस्कारों और परम्पराओं की होती है तो उसको गले उतारना संभव नहीं होता। इसीलिये तो कहते हैं कि – **आजाद रहिये विचारों से, बंधे रहिये संस्कारों से।**

मारवाड़ी समाज पर यह कथन काफी हद तक सटीक बैठता है। समाज में समयानुकूल काफी परिवर्तन हुए हैं। घरों में महिलाओं को आजादी मिली, लड़कियाँ उच्चशिक्षित होने लगीं। धर्म के प्रति आस्था बरकरार है। बुजुर्गों द्वारा स्थापित परम्पराओं का पालन होता है। बच्चों की अच्छी परवरिश पर ध्यान दिया जाता है। माता-पिता की देखभाल और सेवा की जाती है, कानूनी रूप से अधिकार मिलने के बावजूद बेटियाँ माता-पिता की सम्पत्ति में हिस्सा नहीं माँगती, बल्कि वे उस परिवार का हिस्सा बनी रहती हैं, वगैरह...वगैरह...। हाँ, अपवाद तो प्रत्येक क्षेत्र और मामले में होते हैं किन्तु गिनती हमेशा बहुसंख्यवाद की ही होती है। अपवादों का तो घृणात्मक एवं उपेक्षात्मक तरीके से उदाहरण दिया जाता है।

वहीं बात अगर संस्कारों की करें, तो इसमें भी कहीं न कहीं कमी तो आई है, बावजूद इसके संस्कारों एवं परम्पराओं के निर्वहन ने ही समाज की पहचान को बचा भी रखा है। जिस तरह अंग्रेजों ने भारत की संस्कृति को नष्ट करने का हर संभव प्रयास किया था, किन्तु भीतर तक जड़ें जमाई हुई हमारी संस्कृति को उखाड़ नहीं पाये, उसी तरह मारवाड़ी समाज की संस्कृति की जड़ें भी काफी मजबूत हैं। समाज में व्याप्त कुरीतियों एवं संस्कारों के हनन की बात तो हमेशा होती है किन्तु इस मामले में सकारात्मक दृष्टिकोण भी आवश्यक है।

हमारे बुजुर्गों ने समाज में संस्कारों का ऐसा बीजारोपण किया है कि काफी कुरीतियों के घर कर जाने के बावजूद हमारी पहचान कायम है। इसके पीछे हमारी सेवा-भावना का बड़ा हाथ है। पूरे देश पर अगर दृष्टिपात करें तो मारवाड़ी समाज द्वारा किये जा रहे सेवामूलक कार्यों की बानगी अवश्य देखने को मिलेगी। इस मामले में जात-पात, भाषा या धर्म का कोई स्थान नहीं होता। सेवा का मकसद सिर्फ सेवा होती है। समाज द्वारा जगह-जगह पर देश के शहरों एवं गाँवों में स्थापित धर्मशालाओं में यात्रियों को धर्म, जात-पात या भाषा के नाम पर स्थान नहीं दिया जाता, बल्कि मानवता का दृष्टिकोण सर्वोपरि होती है, भावना होती है सेवा की चाहे वह किसी भी धर्म या जात-पात की हो। इसी तरह किये जाने वाले अन्य निःशुल्क सेवामूलक कार्य यथा - आँख ऑपरेशन हो या रक्तदान शिविर, कम्बल वितरण हो या खिचड़ी वितरण, कुम्भ मेला हो या गंगासागर मेला, छठ पर सेवा हो या अन्य किसी भी प्रकार का सेवाकार्य हो, समाज द्वारा स्थापित संस्थाएँ न सिर्फ इन सेवाकार्यों में तत्पर रहती हैं, बल्कि समाज के लोग भी तन-मन-धन के साथ अपने मानव धर्म का पालन करते हैं। महँगी चिकित्सा व्यवस्था, सरकारी अस्पतालों की दुर्दशा, निजी नर्सिंग होमों के असहनीय खर्च के मामले में समाज द्वारा स्थापित चैरिटेबल अस्पताल आज भी लोगों के लिए संजीवनी बूटी का काम कर रहे हैं।

देश में जब कभी भी प्राकृतिक आपदा आई हो, मारवाड़ी समाज का नाम सेवाकार्य को अंजाम देने वालों में शामिल न हुआ हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। हाल में आई केरल की बाढ़ में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, जैन समाज सभी ने अपने-अपने बलबूते राहत का हाथ बढ़ाया। कई वर्षों पहले जब बिहार की कोसी नदी ने अपना रास्ता छोड़ दिया था और राज्य बाढ़ की चपेट में आ गया था तो समाज की संस्थाओं के साथ-साथ अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की टीम ने वहाँ जाकर सेवाकार्य को अंजाम दिया था।

अधिक पीछे जाने की जरूरत नहीं, उत्तराखंड की भयावह त्रासदी याद आते ही आज भी रूह काँप उठती है। भगवान भोले का धाम केदारनाथ तबाह हो चुका था। हजारों की जानें गई थीं। उस समय देश एक स्वर में उत्तराखण्ड पीड़ितों के साथ खड़ा था। तब भी समाज ने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरे दम-खम के साथ किया था। समाज द्वारा स्थापित सैंकड़ों संस्थाओं ने हाथ से हाथ मिलाकर राहत कार्य को अंजाम दिया था। यही हाल उस समय भी देखने को मिला था जब २००१ में गुजरात के कच्छ में भूकम्प ने भारी तबाही मचाई थी। हजारों लोगों की जान गई थी। हाल में नेपाल में आये विनाशकारी भूकम्प के दौरान भी समाज मानव-सेवा के अपने पथ पर टिका रहा और राहत कार्यों में तन-मन-धन से अपनी आहुति प्रदान की थी।

बात अगर देश की रक्षा की हो तो कारगिल का युद्ध जेहन में ताजा हो जाता है। पाकिस्तानी सैनिकों की क्रूर हरकतों ने हमारे सैनिकों का जो हश्र किया था, उससे उनका जमीर तो नहीं रोया किन्तु हमारी आत्मा तक रो रही थी। इस युद्ध में पाकिस्तान को मुँह की खानी पड़ी और वह अपने नापाक मंसूबों में कामयाब नहीं हो सका था किन्तु हमारे कई सैनिकों को इसके लिये बलिदान देना पड़ा था।

पाकिस्तानी सैनिकों ने हमारे सैनिकों के शवों के साथ भी जघन्यतम अपराध किया। इस परिस्थिति में सैनिकों के परिजनों की मनःस्थिति का हम सिर्फ अंदाजा लगा सकते थे, उनके लिये मरहम का कार्य भर कर सकते थे। इस मामले में पूरा देश कारगिल

(शेष अगले पृष्ठ पर)

विचारणीय विषय

संकलन : **डॉ. जे.के. सर्राफ**
चेयरमैन, समाज सुधार उपसमिति

प्राकृतिक आपदाओं पर हुई नई खोजों के नतीजे मानें तो इन दिनों बढ़ती मांसाहार की प्रवृत्ति भूकंप और बाढ़ के लिए जिम्मेदार है। आइंस्टीन पेन वेव्ज के मुताबिक मनुष्य की स्वाद की चाहत - खासतौर पर मांसाहार की आदत के कारण प्रतिदिन मारे जाने वाले पशुओं की संख्या दिनोंदिन बढ़ रही है।

सूजडल (रूस) में पिछले दिनों हुए भूस्खलन और प्राकृतिक आपदा पर हुए एक सम्मेलन में भारत से गए भौतिकी के तीन वैज्ञानिकों ने एक शोधपत्र पढ़ा। डॉ. मदन मोहन बजाज, डॉ. इब्राहीम और डॉ. विजयराज सिंह के तैयार किए शोधपत्र के आधार पर कहा गया कि भारत में पिछले दिनों आए तीन बड़े भूकंपों में आइंस्टीन पैन वेव्ज (इपीडबल्यू) या नोरीप्शन वेव्ज बड़ा कारण रही है।

इन तरंगों की व्याख्या यह की गई है कि कत्लखानों में जब पशु काटे जाते हैं तो उनकी अव्यक्त कराह, फरफराहट, तड़प वातावरण में भय और चिंता की लहरें उत्पन्न करती है। यों कहें कि प्रकृति अपनी संतानों की पीड़ा से विचलित होती है। अध्ययन में बताया गया है कि प्रकृति जब ज्यादा क्षुब्ध होती है तो मनुष्य आपस में भी लड़ने-भिड़ने लगते है और विभिन्न देश-प्रदेशों में दंगे होने लगते हैं।

सिर्फ स्वाद के लिए बेकसूर जीव-जंतुओं की हत्या भी इस तरह के दंगों का कारण बनती है पर कभी कदा। ज्यादातर मामलों में प्राकृतिक उत्पात जैसे अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, भूकंप, ज्वालामुखी के विस्फोट जैसे संकट आते हैं। इस अध्ययन के मुताबिक एक कत्लखाने से जिसमें औसतन पचास जानवरों को मारा जाता है १०४० मेगावाट ऊर्जा फेंकने वाली इपीडब्लू पैदा होती है।

दुनिया के करीब ५० लाख छोटे-बड़े कत्लखानों में प्रतिदिन ५० लाख करोड़ मेगावाट की मारक क्षमता वाली शोक-तरंगें या इपीडब्लू पैदा होती हैं। सम्मेलन में माना गया कि कुदरत कोई डंडा ले कर तो इन तरंगों के गुनाहगार लोगों को दंड देने नहीं निकलती। उसकी एक ठंडी सांस भी धरती पर रहने वालों को कंपकंपा देने के लिए काफी है।

कत्लखानों में जब जानवरों को कत्ल किया जाता है तो बहुत बेरहमी के साथ किया जाता है। बहुत हिंसा होती है, बहुत अत्याचार होता है। जानवरों का कतल होते समय उनकी जो चीत्कार निकलती है, उनके शरीर से जो स्ट्रेस हारमोन निकलते है और उनकी जो शोक वेभ निकलती है वो पूरी दुनिया को तरंगित कर देती है, कम्पायमान कर देती है। परीक्षण के दौरान लैबरोट्री में भी जानवरों पर ऐसा हीं वीभत्स अत्याचार होता है।

जानवरों को जब काटा जाता है तो बहुत दिनों तक उनको भूखा रखा जाता है और कमजोर किया जाता है। फिर इनके ऊपर ७० डिग्री सेंट्रीगेड गर्म पानी की बौछार डाली जाती है उससे शरीर फूलना शुरू हो जाता है। तब गाय-भैंस तड़पने और चिल्लाने लगते हैं तब जीवित स्थिति में उनकी खाल को उतारा जाता है और खून को भी इकट्ठा किया जाता है। फिर धीरे धीरे गर्दन काटी जाती है, एक-एक अंग अलग से निकाला जाता है।

आज के आधुनिक विज्ञान ने ये सिद्ध किया है कि मरते समय जानवर हो या इन्सान अगर उसको क्रूरता से मारा जाता है तो उसके शरीर से निकलने वाली जो चीख-पुकार है उसकी वाइब्रेसन में जो नेगेटिव वेव्स निकलते हैं वो पूरे वातावरण को बुरी तरह से प्रभावित करते हैं और उससे सभी मनुष्यों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, इससे मनुष्य में हिंसा करने की प्रवृत्ति बढ़ती है जो अत्याचार और पाप पूरी दुनिया में बढ़ा रही है।

दिल्ली के दो प्रोफेसर हैं एक मदनमोहन जी और एक उनके सहयोगी जिन्होंने बीस साल इन पर रिसर्च किया है और उनकी रिसर्च ये कहती है कि जानवरों का जितना ज्यादा कत्ल किया जायेगा, जितनी ज्यादा हिंसा से मारा जायेगा, उतने ही अधिक दुनिया में भूकंप आएंगे, जलजले आएंगे, प्राकृतिक आपदा आयेगी उतना ही दुनिया में संतुलन बिगड़ेगा।

दुर्बल को न सताइये, वांकी मोटी हाय,
बिना साँस की चाम से, लोह भसम होई जाय।

संस्कारों से बँधा और बचा है मारवाड़ी समाज - पिछले पृष्ठ का शेष

शहीदों के परिवार के साथ खड़ा नजर आया था। समाज की अनेक संस्थाओं सहित मारवाड़ी समाज के भी धनाढ्य वर्ग से लेकर निर्धन वर्ग तक ने खुले दिल से इन जवानों के परिजनों के लिए अपनी तिजोरियाँ खोली थीं। प्रधानमंत्री राहत कोष, मुख्यमंत्री राहत घोष में जमकर धन दिया था ताकि सैनिकों की अपूरणीय क्षति का दर्द कुछ हद तक ही सही, कम किया जा सके और शहीद सैनिक का परिवार सम्मानजनक जिन्दगी जी सके।

इतिहास में ऐसे अनेकों उदाहरण देखने और सुनने को मिल जायेंगे, जहाँ मारवाड़ी समाज के दरियादिली रवैये का जिक्र है। यह इतिहास बनाया है हमारे बुजुर्गो ने, जिसकी जड़ें काफी गहरी हैं। इन जड़ों को समूल नष्ट करना वैसे ही असंभव है जैसे चाँद को धरती पर लाना। चन्द घटनाओं एवं चन्द लोगों की वजह से समाज पर धब्बा जरूर लगता है किन्तु देश व समाज के प्रति निभाये जा रहे कर्तव्यों ने हमको तथा हमारी पहचान को बचा कर भी रखा है।

आज जरूरत इस बात की है कि हम समाज के समक्ष जहाँ अपनी बुराईयों को उजागर कर उन्हें सुधारने की दिशा में सकारात्मक कदम उठायें, वहीं इस तरह के कार्यों को और ज्यादा अंजाम देकर उदाहरण भी पेश करें ताकि हमारी जड़ें और ज्यादा मजबूत हों, बच्चों में इन संस्कारों का बीजारोपण हो। आज के भौतिकवादी, सुविधावादी युग में भले ही नई पीढ़ी के पास समय कम हो, लेकिन देश व समाज के लिये कुछ करने की इच्छाशक्ति कम नहीं होनी चाहिए। जिस तरह आवश्यकता आविष्कार की जननी होती है, उसी तरह नई पीढ़ी में अगर इच्छाशक्ति का संचार होता रहा तो उसे इच्छित गंतव्य तक जरूर पहुँचायेगी और यह गंतव्य होगा देशसेवा, समाजसेवा, समर्पण एवं संस्कार का।

मारवाड़ी समाज में व्याप्त त्रुटियाँ एवं सुधार

– बाबुलाल अग्रवाल
अध्यक्ष, धनबाद जिला मारवाड़ी सम्मेलन (झारखंड)

मारवाड़ी समाज का इतिहास बहुत ही गौरवमयी और समृद्ध रहा है। इस समाज ने हमेशा से कमजोर वर्गों के लिए कई कल्याणकारी कार्यों को किया है जैसे स्कूल एवं कॉलेज का निर्माण, धर्मशाला, मंदिर इत्यादि बनवाना। मारवाड़ी समाज के कार्यों को देखकर समाज के अन्य वर्ग भी प्रेरणा प्राप्त करते रहे हैं और उनका अनुसरण करने की कोशिश करते हैं। यह समाज हमेशा से अपनी उद्यमशीलता, व्यापारपटुता एवं कुशल व्यवहार के लिए जाना जाता रहा है। इस समाज ने देश की उन्नति एवं प्रगति में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। खुद पर कम खर्च कर अर्थात मितव्ययिता द्वारा धन संचय कर देश एवं समाज को जब भी धन की आवश्यकता पड़ी, मारवाड़ी समाज ने खुले दिल से दान भी किया है। इतना समृद्ध इतिहास होने के बावजूद हमारे इस समाज में समय के साथ कुछ कुरीतियों ने अपनी जड़ी जमा ली है। इन कुरीतियों ने समाज को उन्नति के पथ से भटकाकर दिगभ्रमित कर दिया है। जिस समाज का स्थान दो शताब्दी तक राष्ट्र के आर्थिक जगत में सर्वोपरि था, उसमें नब्बे के दशक के बाद से लगातार गिरावट आ रही है। अगर हम इसकी विवेचना करें तो हमें यह स्पष्ट रूप से ज्ञात हो जाएगा कि हम अपने मूल पथ से भटक गये हैं।

जिस समाज का मूल सिद्धांत ही उद्यमशीलता थी वह समाज विलासिता की चादर में सिमटता जा रहा है। हमने मितव्ययिता को त्याग दिया है और फिजूलखर्ची को अपना लिया है। शादी-विवाह और अन्य संस्कारों को अपना वैभव और हैसियत दिखाने का अवसर-मात्र मान लिया है। समाज का अति समृद्ध वर्ग तो इसमें होने वाले खर्च को वहन कर लेता है परन्तु अन्य वर्गों के लिए यह बुराई कई अन्य दुष्परिणाम लेकर आती है। समाज में एक दूसरे की नकल करते हुए भव्य समारोह करने की प्रवृति दिनों-दिन बढ़ती जा रही है और इसका दुष्परिणाम यह हो रहा है कि समाज समृद्ध होने के बजाय निर्धन होता जा रहा है। पूँजी को विलासिता और दिखावा में खर्च करने के कारण मारवाड़ी समाज की आर्थिक उन्नति लगातार गिर रही है। वह दिन दूर नहीं जब यह समाज रोजगार देने के बजाए अपने आने वाली पीढ़ियों के लिए दूसरों पर रोजगार के लिए आश्रित हो जाएगा।

एक और बुराई जो हिन्दुओं के अन्य समाज की तरह इस समाज में भी आ गई है वह मृत्युभोज है। मृत्युभोज को भी मारवाड़ी समाज काफी शानो-शौकत के साथ उत्सव के रूप में मनाता है। जो भी मृत आत्माओं की शांति हेतु मृत्युभोज का कार्यक्रम करना चाहते हैं वो निर्धन ब्राह्मणों एवं अपने निकट संबंधियों के लिए सादा भोजन की व्यवस्था करें न कि विभिन्न तरह के पकवान बना कर पूरे शहर अथवा गाँव को न्योता दें। जो अपने पूर्वजों के लिए कुछ करना चाहते है वो समाज की विभिन्न संस्थाओं में अथवा समाज के कमजोर वर्ग के लिए कुछ कल्याणकारी व्यवस्था कर सकते हैं।

हमारे समाज में कुछ अन्य सुधारों की भी आवश्यकता है जिनमें सबसे प्रमुख हैं शिक्षा का विकास करना तथा अपनी संस्कृति एवं धरोहर को बचाना। मारवाड़ी समाज हमेशा से व्यवसायोन्मुख रहा है। परन्तु जब हम विश्वपरिदृश्य में व्यापार को देखेंगे तो हमें यह स्वतः ही एहसास हो जाएगा कि व्यापार और शिक्षा का समावेश ही हमारे समाज को उन्नति की ओर अग्रसर कर सकता है। पिछले दो दशकों के व्यवसायिक इतिहास पर अगर हम गौर करें तो हम यह पायेंगे कि सबसे तेज बढ़ने वाला व्यवसाय सूचना प्रोद्यौगिकी (इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) है। अन्य व्यवसायों के संचालन की सफलता का आधार भी उसमें प्रयुक्त होने वाली तकनीक ही है। अतः आज के दौर में व्यवसाय के कुशल संचालन के लिए व्यापारपटुता के साथ तकनीकी ज्ञान भी समान रूप से महत्वपूर्ण हो गया है। हमारे समाज ने स्कूल, कॉलेज तो अनेकों निर्माण करवाए है पर उच्च तकनीकी शिक्षा या चिकित्सा, इंजीनियरिंग इत्यादि पर आज भी उदासीनता बनी हुई है। हमें समाज के उत्थान के लिए इस पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। अगर हमें अग्रणी समाज की भूमिका निभानी है तो हमें अपने छात्रों को तकनीकी ज्ञान और वैज्ञानिक शिक्षा की ओर प्रेरित करना होगा अन्यथा मारवाड़ी समाज की समृद्धि भी इस शिक्षा के अभाव में नष्ट हो जाएगी। समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करना चाहिये तथा कमजोर वर्ग के प्रतिभाशाली बच्चों के लिये शिक्षा कोष बनाना चाहिये ताकि उन बच्चों को शिक्षा के लिये छात्रवृत्ति प्रदान की जा सके।

इन सब बातों के अलावा, मैं आपका ध्यानाकर्षण एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात की ओर करना चाहता हूँ। मारवाड़ी समाज की भाषा, संस्कृति, साहित्य, कला और इतिहास के प्रति हमारी उदासीनता समाज के गौरवपूर्ण इतिहास और संस्कृति को नष्टकर रही है। अगर अपने आप को समय के साथ प्रासंगिक बनाए रखना है तो अपने इतिहास और संस्कारों की जानकारी अपने युवा वर्ग को देनी चाहिए। उन्हें समाज द्वारा की गयी सेवाओं एवं जनकल्याण के कार्यों की जानकारी देनी चाहिए ताकि वे भी गौरवान्वित महसूस कर सकें और इस तरह के कार्यों को आगे बढ़ा सकें। व्यापारिक गतिविधियों से आगे बढ़कर अपने साहित्य, कला एवं गौरवपूर्ण इतिहास का संकलन कर उसे लिपिबद्ध कर मारवाड़ी समाज के प्रत्येक परिवार तक पहुँचाना चाहिए। इन दिनों मारवाड़ी समाज में विवाह के लिए योग्य युवक–युवतियों का ना मिल पाना भी घोर समस्या बना हुआ है। व्यक्तिवाद के बढ़ोतरी के कारण सामूहिकता नष्ट होती जा रही है और लोग एक–दूसरे को पहचानते भी नहीं हैं। आपस में मेलजोल को बढ़ावा देने के लिए अधिकाधिक परिचय सम्मेलनों का आयोजन किया जाना चाहिए ताकि लोगों को एक-दूसरे से मिलने का उचित मौका मिले। युवाओं को भी समाज में ही विवाह करने के लिए प्रेरित करना चाहिए और उससे होने वाले लाभ के लिए अवगत कराना चाहिए। ★★★

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

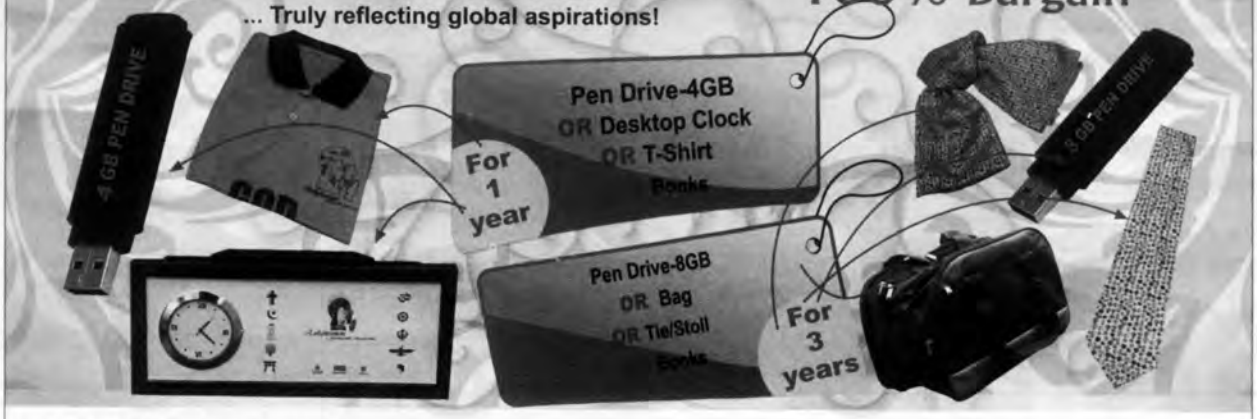

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District: _____

State: _____ Country: _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai** : Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima** : Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री श्रेय बजाज शिव मंदिर के नजदीक नाला रोड, पटना, बिहार	**श्री रितेश कुमार तुलस्यान** अमरदीप शांती मार्केट कदमकुँआ, पटना, बिहार	**श्री विष्णु कुमार लुहारुका** द्वारा - श्री गणेश वस्त्रालय सुरजगंज, लक्खीसराय, बिहार	**श्री बिनोद कुमार अग्रवाल** द्वारा - अरविन्द कुमार बिनोद कुमार, सुरजगंज, लक्खीसराय, बिहार	**श्री निर्भय कुमार अग्रवाल** सुरजगंज, लक्खीसराय बिहार
श्री गोपाल कुमार द्वारा - मॉ विध्यावासिनी ट्रेडर्स, सुरजगढ़ बाजार, लक्खीसराय, बिहार	**श्री कसीस अग्रवाल** मे. कन्हैया हैंडलूम, दानापूर गोला, पटना, बिहार	**श्री भावेश पोद्दार** बंशी निकेतन भागलपूर, बिहार	**श्री विमल कुमार जैन** द्वारा होटेल महावीर स्टेशन रोड, भागलपूर बिहार	**डॉ. शशि मोहनका** मे. श्री बलाजी नेत्रालय ताला रोड, पटना बिहार
श्री दिनकर मे. बालाजी हैन्डलूम मोहिनी मार्केट, एक्सीबिशन रोड, पटना, बिहार	**श्री रवि कुमार सराफ** अंशुमन कुंज गोलधर चौराहा, पटना, बिहार	**श्री अनूप अग्रवाल** बजरंग पूरी, निभर गांधी सेतू, गायघाट, पटना, बिहार	**श्री शरद कुमार भगत** मे. आदर्श स्टोर २६, पटग मार्केट, पटना बिहार	**श्री मनीष मित्तल** मे. एम एफ पी मैनुफैक्चरिंग कं. प्रा. लि., हाजीपूर, बिहार
श्री संजय झुनझुनवाला मे. अग्रवाल मोल्डींग हाउस एक्जीबिसन रोड, पटना, बिहार	**श्री राम कृष्ण कमलिया** मे. कमलिया एजेन्सी स्टेशन रोड, पटना, बिहार	**श्री संजय कुमार सराफ** २०४, राधा कृष्णा अपार्टमेन्ट, पटना, बिहार	**श्री दिवाकर कुमार** मे. कृष्णा हार्डवेयर, मोहिनी मार्केट, एक्जीबिशन रोड, पाटना, बिहार	**श्री दिलीप कुमार सुन्दरका** मे. नारायणी टाईल्स वीणा बिहार, जमाल रोड, पाटना, बिहार
श्री विष्णु अग्रवाल मे. शालबाटी जिला-कटिहार, बिहार	**श्री अशोक अग्रवाल (सरावगी)** पो. शालबाड़ी, जिला-कटिहार, बिहार	**श्री ललित बूबना** पो. शालमारी, जिला - कटिहार, बिहार	**श्री गोपाल अग्रवाल** पो. शालमारी, जिला - कटिहार, बिहार	**श्री विनोद कुमार अग्रवाल** पो. अयोध्यागंज कुरसेला, बिहार
श्री सौरभ कुमार अग्रवाल पो. अयोध्यागंज, कटिहार कुरसेला, बिहार	**श्री ओम प्रकाश चिरानियाँ** पो. अयोध्यागंज, कुरसेला कटिहार, बिहार	**श्री द्वारिका प्रसाद अग्रवाल** पो. अयोध्यागंज, कुरसेला कटिहार, बिहार	**श्री निशांत अग्रवाल** मे. दादीजी मेडीकल स्टोर ओम कम्पलेक्स, एल.पी. वर्मा रोड, पटना, बिहार	**श्री दीपक कुमार शर्मा** राम चौक, दरभंगा, बिहार
श्री गिरधारी कुमार अग्रवाल श्री निकेतन, टावर चौक दरभंगा, बिहार	**श्रीमती प्रेरणा लाठ** मे. अलंकार, बड़ा बाजार दरभंगा, बिहार	**श्री शम्भु तुलस्यान** गाँधी चौक, रामचौक दरभंगा, बिहार	**श्री अरविन्द कुमार जैन** गुल्लोबाड़ा, दरभंगा बिहार	**श्री मुरारीलाल पंसारी** बड़ा बाजार महारानी गोदाम के नजदीक, दरभंगा, बिहार
श्री संतोश कुमार लाठ मे. अलंकार, बड़ा बाजार दरभंगा, बिहार	**श्री गौरभ कुमार लिल्हा** गांधी चौक, कामटोला बिहार	**श्री रितेश टिबड़ेवाल** मे. श्री खाटू श्याम स्टोर्स गुल्लोबाड़ा, दरभंगा, बिहार	**श्री अजय कुमार परशुरामपुरिया** राजगुदड़ी, कटकी बाजार दरभंगा, बिहार	**श्री रंजीत कुमार पंसारी** मे. अजय किराग स्टोर्स बी-२०, बाजार समिति दरभंगा, बिहार
श्री राजेश कुमार अग्रवाल मे. राजेश इलेक्ट्रोनिक्स ट्रेडर्स स्टेशन रोड, मिर्जापूर दरभंगा, बिहार	**श्री बिजय कुमार सरावगी** गांधी चौक, बड़ा बाजार दरभंगा, बिहार	**श्री राहुल बोहरा** मे. श्री केन्द्र, बोहरा गली दरभंगा, बिहार	**श्री प्रदीप कुमार पंसारी** मे. श्री अम्बिका स्टोर गुदरी बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री बिनोद कुमार शर्मा** **(अधिवक्ता)** मो. रामचौक, पो. लाल बाग, दरभंगा, बिहार
श्री राज कुमार बंसल मे. श्री रानी सति सेल्स गुल्लो बाड़ा, दरभंगा, बिहार	**श्री संजीव जसराजपुरिया** द्वारा- बाय एण्ड रूप, दोनार चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री अजय कुमार अग्रवाल** मे. मिश्रीगंज को बरा घाट लाल बाग, दरभंगा, बिहार	**श्री तरूण कुमार सराफ** मारवाड़ी स्कूल रोड दरभंगा, बिहार	**श्री रमेश कुमार सिंह** बड़ा बाजार, शमशेरगंज थाना नजर, दरभंगा, बिहार
श्री ओमप्रकाश अग्रवाल मे. वाटीका साड़ी गणपति प्लाजा, लालबाग, दरभंगा, बिहार	**श्री दीपक कुमार पंसारी** द्वारा- मिथिला शाप इण्डास्ट्रीज, दरभंगा, बिहार	**श्री रुकमानंद अग्रवाल** मे. वाटिका, श्री बालाजी काम्पलेक्स, मिर्जापूर, दरभंगा, बिहार	**श्री अभिनाश बूबना** बूबना काम्पलेक्स, बड़ा बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री ओम प्रकाश टिबड़ेवाल** मे. गोयल टेलेकॉम सुपौल बाजार, बिरौली दरभंगा, बिहार
श्री अनिल कुमार छपड़िया सुपौल बाजार, बिटौली दरभंगा, बिहार	**श्री श्याम सुन्दर छपड़िया** सुपौल बाजार, बिरौली दरभंगा, बिहार	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** सुपौल बाजार, विरौली दरभंगा, बिहार	**श्री अरुण टेकड़ीवाल** सुपौल बाजार, विरौली दरभंगा, बिहार	**श्री मनोज कुमार अग्रवाल** मे. मनोज वस्त्रालय, सुपौल बाजार, विरौली दरभंगा, बिहार
श्री ओम प्रकाश बंका मे. प्रकाश वस्त्रालय सुपौल बाजार, विरौली दरभंगा, बिहार	**श्री नंदु अग्रवाल** सुपौल बाजार, बिरौली दरभंगा, बिहार	**श्री सज्जन कुमार टेकरीवाल** सुपौल बाजार, विरौली दरभंगा, बिहार	**श्री उमा शंकर प्रसाद** **टेकड़ीवाल** सुपौल बाजार, विरौली दरभंगा, बिहार	**श्री प्रकाश तुलस्यान** साहरुफगंज रोड सहरसा, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री रोहित कुमार तुलस्यान मे. सिद्धी विनायक कपड़ापट्टी, सहरसा, बिहार	**श्री विकास कुमार खेतान** मे. श्री श्याम चुड़ी घर सहरसा, बिहार	**श्री विष्णु कुमार जालान** चुड़ा मिल, प्रताप वर्क सहरसा, बिहार	**श्रीमती अरूणा सलामपूरिया** मे. संजय साईकल धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार	**श्रीमती कविता देवी** मे. संजय स्टोर्स चाँदनी चौक, सहरसा, बिहार
श्री पंकज कुमार पचेरिया वार्ड नं.-२६, मेन रोड सहरसा, बिहार	**श्री अनुराग कुमार** पोस्ट ऑफिस रोड सिद्धेश्वर स्थान, (गौरीपूर) बिहार	**श्री सौरभ कुमार** पोस्ट आफिस रोड मधेपूरा, बिहार	**श्री विवेक कुमार** पोस्ट आफिस रोड मधेपूरा, बिहार	**श्री प्रकाश कुमार पचेरिया** मे. प्रकाश प्रेस, गांधीपथ सहरसा, बिहार
श्री समीर कुमार केड़िया मे.श्री बालाजी फूटवेयर गंगाजल चौक, सहरसा बिहार	**श्री विशाल कुमार पचेरिया** मे. प्रकाश प्रेस सहरसा, बिहार	**श्री सोनू कुमार शर्मा** मे. बालाजी गिफ्ट हाउस सहरसा, बिहार	**श्री राम अग्रवाल** मे. गणपती ट्रेडर्स कहलगाँव, बिहार	**श्री सुनिल कुमार टिबड़ेवाल** मे. श्री गोपाल ड्रेसेज भागलपूर, बिहार
श्री जयराम तुल्सयान नदीया टोला, कहलगाँव भागलपूर, बिहार	**श्री कृष्ण मुरारी चौधरी** मे. कृष्णा क्लाथ स्टोर भागलपूर, बिहार	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** धोधा, जनाडीह, कहलगाँव थाना, भागलपूर, बिहार	**श्री सुशील कुमार चमड़िया** कहलगाँव, भागलपूर बिहार	**श्री पंकज कुमार माटोडिया** मे. दीपक वस्त्रालय स्टेशन रोड, कहलगाँव बिहार
श्री संदीप कुमार रूँगटा नदीया टोला, वार्ड नं. १० भागलपूर, बिहार	**श्री हेमन्त कुमार अग्रवाल** किला दुर्गा स्थान के नजदीक कहलगाँव, बिहार	**श्री प्रकाश कुमार वर्मा** मे. अशोक ज्वेल्र्स, स्टेशन रोड, कहलगाँव, भागलपूर, बिहार	**श्री रंजीत कुमार बंकिया** कहलगाँव बिहार	**श्री सुमित कुमार मारोड़िया** मे. रूप साड़ी, स्टेशन रोड कहलगाँव, भागलपूर, बिहार
श्री कृष्णा कुमार साह मे. सालासर प्लाईवूड भागलपूर, बिहार	**श्री प्रकाश कुमार साह** मे. साह एजेन्सी, थाना रोड भागलपूर, बिहार	**श्री राजीब कुमार जैन** मे. श्री कृष्णा अपार्टमेंट मशरफ बाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री ओम प्रकाश लठ** बड़ा बाजार दरभंगा, बिहार	**श्री आनंद कुमार महनसरिया** मे. वंशीधर अग्रवाल दरभंगा, बिहार
श्री विकाश कुमार शर्मा मे. मानसरोवर, टावर चौक दरभंगा, बिहार	**श्री राकेश कुमार बोहरा** मे. मोबाइल हट, टावर चौक दरभंगा, बिहार	**श्री रंजन कुमार तुलस्यान** मे. नारायणी इलेक्ट्रीक्लस लालबाग, दरभंगा, बिहार	**श्री मनीष कुमार पंसारी** मे. श्री कृष्णा अपार्टमेंट फ्लैट नं.-२ए, दरभंगा, बिहार	**श्री नारायण कुमार निर्मल** मे. शितला किराना स्टोर्स राजगुदरी, दरभंगा, बिहार
श्री निर्मल कुमार बजाज मे. श्री कृष्णा स्टोर्स राजगुदरी, दरभंगा, बिहार	**श्री मुकुल कुमार बोहरा** मे. सेठानी (द फैशन मार्ट) लालबाग, दरभंगा, बिहार	**श्री संजीव जैन** द्वारा - मथुरा प्रसाद राय दरभंगा, बिहार	**श्री अजय कुमार सरावगी** गांधी चौक, दरभंगा बिहार	**श्री महेश केडिया** द्वारा - ज्योति अंचल मिल्स बाजार समिति, दरभंगा बिहार
श्री अरुण कुमार केडिया मे. जय लक्ष्मी फर्टिलाईजर सहरसा, बिहार	**श्री अभिषेक कुमार केडिया** मे. अग्रवाल ब्रदर्श सहरसा, बिहार	**श्री ओम प्रकाश केडिया** मे. अमन ट्रेडिंग कं. सहरसा, बिहार	**श्री फूल कुमार केडिया** मेन मार्केट, सोनवर्षा राज सहरसा, बिहार	**श्री गौतम केडिया** मे. विश्वनाथ जीवन कुमार सहरसा, बिहार
श्री संजु कुमार केडिया सोनवर्षा राज, सहरसा बिहार	**श्री रोशन कुमार केडिया** मे. केडिया गार्मेंट सोनवर्षा राज, सहरसा बिहार	**श्री रोहन कुमार केडिया** मेन मार्केट, सोनवर्षा राज सहरसा, बिहार	**श्री सज्जन कुमार केडिया** मे. कृष्णा धर्म काँटा सहरसा, बिहार	**श्री दिलीप कुमार केडिया** भगवती प्रसाद केडिया सहरसा, बिहार
श्री नितेष दहलान दहलान चौक, सहरसा बिहार	**श्रीमती कोमल देवी बगड़ीया** मे. विजय इंटरप्राईजेज सहरसा, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार बगड़ीया** मे. विजय इंटरप्राईजेज सहरसा, बिहार	**श्री बिनोद कुमार बगड़ीया** मे. विजय इंटरप्राईजेज सहरसा, बिहार	**श्री राजेश यादुका** मे. सागर सेनेटरी एण्ड मार्बल्स, महावीर चौक सहरसा, बिहार
श्री जय प्रकाश शारदा मे. लक्ष्मी बीड़ी डिपो गांधीपथ चौक, सहरसा बिहार	**श्री सुरेन्द्र कुमार तुलस्यान** बंगाली बाजार सहरसा, बिहार	**श्री रोहित जैन** मे. कोठी खाप बीज भण्डार सहरसा, बिहार	**श्री रोशन कुमार तुलस्यान** मे. सुमन साड़ी काउन्टर सहरसा, बिहार	**श्री श्याम सुन्दर संधी** मे. वीना मेडीकल एजेन्सी सहरसा, बिहार
श्री सौरभ कुमार दहलान मे. बालाजी प्लाई दहलान चौक, सहरसा बिहार	**श्री नीतेष कुमार अग्रवाल** मे. श्याम प्लाई सहरसा, बिहार	**श्री सुभेन्द्र तुलस्यान** द्वारा - कुबेर ट्रेडिंग कं. सहरसा, बिहार	**श्री अमितांशु तुलस्यान** ईलाची देवी भवन सहरसा, बिहार	**श्री गोपाल दहलान** मे. परिवार, दहलान रोड सहरसा, बिहार

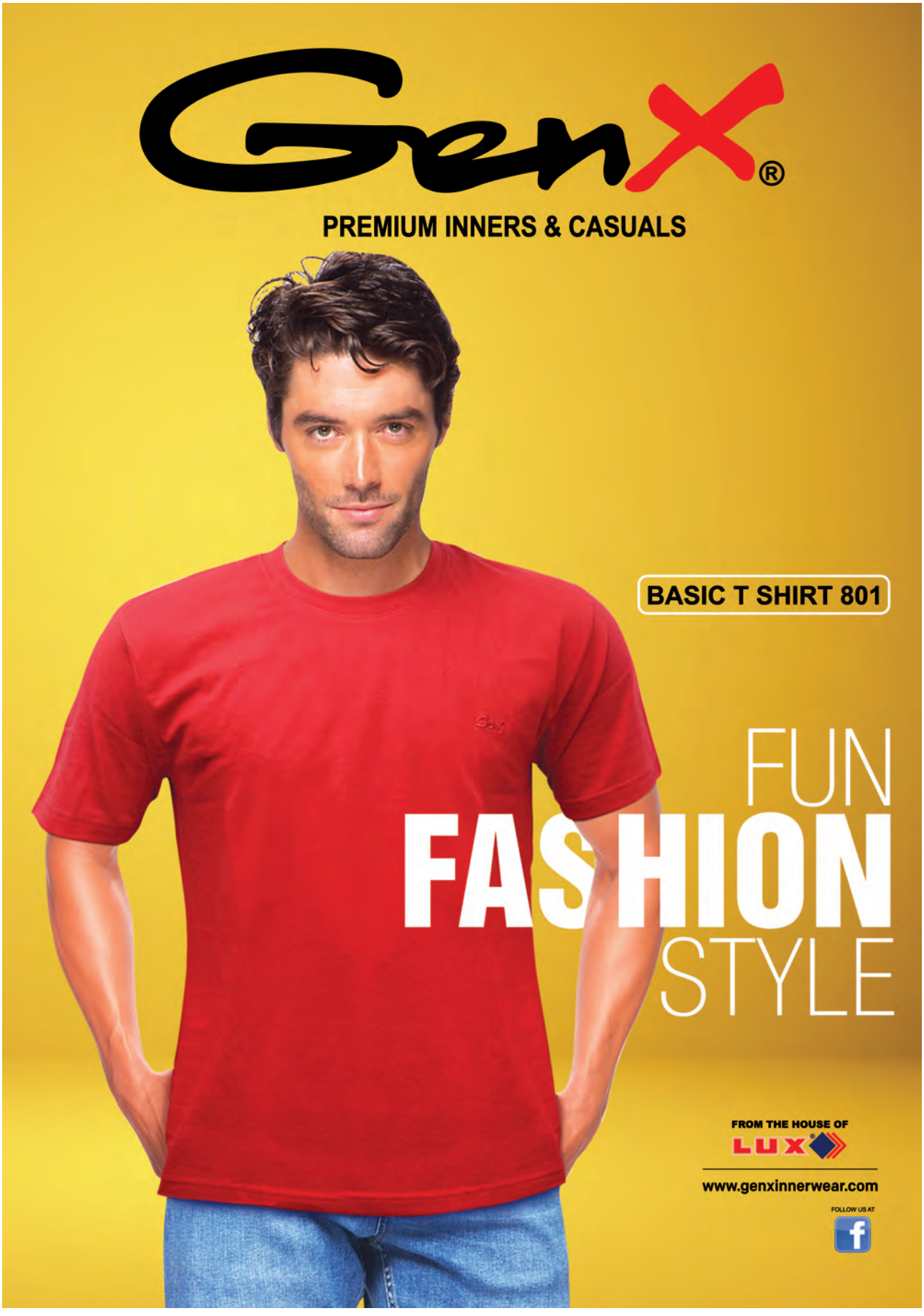

GenX®
PREMIUM INNERS & CASUALS
BASIC T SHIRT 801
FUN
FASHION
STYLE
FROM THE HOUSE OF
LUX
www.genxinnerwear.com
FOLLOW US AT

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 24th September 2018
RNI Regd. No. 2866/1968

LIFE BEGINS AT 60!

JAGRITI DHAM

KOLKATA'S MOST COMPREHENSIVE HOME FOR SENIOR LIVING

Yoga & meditation

Wellness spa

Indoor games

Outdoor activities

COMFORTS & CONVENIENCES
- Furnished and fully-serviced AC rooms
- Attached toilet, pantry and balcony
- Housekeeping and maintenance on call
- Wi-fi, Intercom

Privilege access to IBIZA Club

24 x 7 Medical care

Mandir

Safety and Security

SENIOR-FRIENDLY
- Wheel chair and walker-enabled spaces and ramps
- Spacious lifts to accommodate stretchers
- Specially designed bathrooms with wheel chair-accessible showers

- Inside Merlin Greens complex
- Adjacent to Ibiza on Diamond Harbour Road
- Near Bharat Sevasram Hospital and Swaminarayan Dham Temple
- 5 kms from Nature Cure and Yoga Research Institute

SECURITY
- 24 hours manned gate with intercom
- Electronic surveillance, CCTV
- Power back-up

HEALTHCARE
- 24x7 ambulance, attendant
- Visiting doctors, specialists-on-call
- Emergency button in every room and frequently occupied areas
- Tie-ups with the city's best nursing homes and hospitals

SAFETY ACTIVITY COMMUNITY SPIRITUALITY

Supported by infinity

Jagriti Dham, Merlin Greens, IBIZA Club, Diamond Harbour Road, Pin 743 503
contact@jagritidham.com | www.jagritidham.com | 88 200 22022

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com